BHDE-101/EHD-01

स्नातक उपाधि कार्यक्रम
(बी.डी.पी.)

सत्रीय कार्य
(जुलाई 2021 एवं जनवरी 2022 सत्रों के लिए)

हिंदी गद्य
पाठ्यक्रम कोड : बी.एच.डी.ई–101 / ई.एच.डी–01
हिंदी में ऐच्छिक पाठ्यक्रम

ignou
THE PEOPLE'S
UNIVERSITY
मानविकी विद्यापीठ
इंदिरा गांधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली–110068

हिंदी में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
सत्रीय कार्य (2021–22)

पाठ्यक्रम : बी.डी.पी / बी.एच.डी.ई–101 / ई.एच.डी–01 / टी.एम.ए / 2021–22

प्रिय छात्र / छात्राओ,

यह सत्रीय कार्य शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य ;ज्ड।द्ध है। सत्रीय कार्य के लिए 100 अंक निर्धारित किए गए हैं। सत्रीय कार्य में पूरे पाठ्यक्रम से प्रश्न पूछे जाएँगे।

उद्देश्य : शिक्षक जाँच सत्रीय कार्य का उद्देश्य यह जाँचना है कि आपने पाठ्य–सामग्री को कितना समझा है और आप उसे अपने शब्दों में कैसे प्रस्तुत कर सकते हैं। यहाँ पाठ्य सामग्री की पुनर्प्रस्तुति से तात्पर्य नहीं है वरन् अध्ययन के दौरान जो कुछ सीखा और समझा है उसे आप आलोचनात्मक ढंग से प्रस्तुत कर सकें।

सत्रीय कार्य जमा कराने की तिथियाँ :

जुलाई 2021 सत्र के लिए	:	**31 मार्च 2022**
जनवरी 2022 सत्र के लिए	:	**30 सितम्बर 2022**

सत्रीय कार्य के लिए आवश्यक निर्देश

इस सत्रीय कार्य में आपसे मुख्य रूप से तीन तरह के प्रश्न पूछे गए हैं। लंबे निबंधात्मक प्रश्नों के उत्तर लगभग 800 शब्दों में लिखने हैं तथा लघु प्रश्नों के उत्तर 500 शब्दों में देने हैं। इसके अलावा तीसरी श्रेणी के प्रश्न हैं जिनमें दिए गए शीर्षक पर 300 शब्दों में टिप्पणी लिखनी है।

1. **अध्ययन :** सबसे पहले सत्रीय कार्य को ध्यान से पढ़िए। फिर इससे संबंधित इकाइयों का सावधानीपूर्वक अध्ययन कीजिए। अंत में प्रत्येक प्रश्न के संबंध में कुछ खास बातें नोट कर लीजिए और उन्हें तार्किक ढंग से पुनर्व्यवस्थित कीजिए।

2. **अभ्यास :** उत्तर का प्रारूप तैयार करने से पूर्व नोट की गई बातों पर विचार कीजिए। अनावश्यक बातों को हटा दीजिए और प्रत्येक बिंदु पर विस्तार से विचार कीजिए। निबंधात्मक या टिप्पणीपरक प्रश्नों में आरंभ और उपसंहार पर विशेष ध्यान दीजिए। उत्तर के आरंभिक अंश में प्रश्न की संक्षिप्त व्याख्या और अपने उत्तर की दिशा का संकेत अवश्य दे देना चाहिए। मध्य भाग में आप उत्तर का मुख्य भाग आवश्यक विस्तार के साथ क्रमबद्धता और तार्किक ढंग से प्रस्तुत करें। उपसंहार में उत्तर का सार देना चाहिए।

यह सुनिश्चित कर लीजिए कि :

क) आपका उत्तर तार्किक और सुसंगत हो,
ख) उत्तर सही ढंग से लिखा गया हो तथा आपकी अभिव्यक्ति शैली और प्रस्तुति के पूर्णतया अनुकूल हो,
ग) उत्तर, प्रश्न में निर्धारित शब्दों से अधिक लंबा न हो, और
घ) आपके लेखन में भाषागत त्रुटियाँ न हों, विशेष रूप से मात्रा और व्याकरण संबंधी गलतियों से बचें।

3. **प्रस्तुति :** जब आप अपने उत्तर से पूर्णतया संतुष्ट हो जाएँ तो उसे साफ और सुंदर अक्षरों में उत्तर पुस्तिका में लिख लीजिए तथा जिन बातों पर आप जोर देना चाहते हैं, उन्हें रेखांकित कर दीजिए।

शुभकामनाओं के साथ।

नोट : याद रखें कि परीक्षा में बैठने से पूर्व सत्रीय कार्य जमा कराना अनिवार्य है अन्यथा आपको परीक्षा में बैठने की अनुमति नहीं दी जाएगी।

हिंदी में ऐच्छिक पाठ्यक्रम
हिंदी गद्य
सत्रीय कार्य 2021–22
(पाठ्यक्रम के सभी खंड़ों पर आधारित)

पाठ्यक्रम कोड : बीएचडीई–101 / ईएचडी–01
सत्रीय कार्य कोड : बीएचडीई–101 / ईएचडी–01 / टीएमए / 2021–22
कुल अंक : 100

नोट : सभी प्रश्नों के उत्तर दीजिए।

1. निम्नलिखित में से किन्हीं तीन गद्यांशों की संदर्भ सहित व्याख्या कीजिए। 10X3=30

(क) यह भी कोई खेल है कि सुबह को बैठे तो शाम कर दी। घड़ी आध घड़ी दिलबहलाव के लिए खेल लेना बहुत है। खैर, हमें तो कोई शिकायत नहीं; हुजूर के गुलाम हैं, जो हुक्म होगा, बजा ही लाएँगे; मगर यह खेल मनहूस है। इसका खेलने वाला कभी पनपता नहीं; घर पर कोई न कोई आफ़त जरूर आती है। यहाँ तक कि इसके पीछे मुहल्ले-के-मुहल्ले तबाह होते देखे गये हैं। सारे मुहल्ले में यही चर्चा होती रहती है। हुजूर का नमक खाते हैं, अपने आका की बुराई सुन-सुनकर रंज होता है। मगर क्या करें? इस पर बेगम साहिबा कहतीं, मैं तो खुद इसको पसंद नहीं करती। पर वह किसी की सुनते ही नहीं, क्या किया जाए!

(ख) जब से ब्रह्मा ने सृष्टि रची, तब से आज तक कभी बारातियों को कोई प्रसन्न नहीं रख सका। उन्हें दोष निकालने और निन्दा करने का कोई-न-कोई अवसर मिल ही जाता है। जिसे अपने घर सूखी रोटियाँ भी मयस्सर नहीं, वह भी बारात में जाकर तानाशाह बन बैठता है। तेल खुशबूदार नहीं, साबुन टके सेर का जाने कहाँ से बटोर लाये, कहार बात नहीं सुनते, लालटेनें धुआँ देती हैं, कुर्सियों में खटमल हैं, चारपाइयाँ ढीली हैं, जनवासे की जगह हवादार नहीं। ऐसी हजारों शिकायतें होती रहती हैं। उन्हें आप कहाँ तक रोकियेगा? अगर यह मौका न मिला, तो और कोई ऐब निकाल लिए जायेंगे। भई, यह तेल तो रंडियों के लगाने लायक है, हमें तो सादा तेल चाहिए। जनाब ने यह साबुन नहीं भेजा है, अपनी अमीरी की शान दिखाई है, मानो हमने साबुन देखा ही नहीं। ये कहार नहीं यमदूत हैं, जब देखिए, सिर पर सवार! लालटेनें ऐसी भेजी हैं कि आँखें चमकने लगती हैं; अगर दस-पाँच दिन इस रोशनी में बैठना पड़े तो आँखें फूट जायँ। जनवासा क्या है, अभागे का भाग्य है, जिस पर चारों तरफ से झोंके आते रहते हैं। मैं तो फिर यही कहूँगी कि बारातियों के नखरों का विचार ही छोड़ दो।

(ग) आर्य! आप बोलते क्यों नहीं? आप धर्म के नियामक हैं। जिन स्त्रियों को धर्मबंधन में बाँधकर, उनकी सम्मति के बिना आप उनका सब अधिकार छीन लेते हैं, तब क्या धर्म के पास कोई प्रतिकार – कोई संरक्षण नहीं रख छोड़ते, जिससे वे स्त्रियाँ अपनी आपत्ति में अवलम्ब माँग सकें? क्या भविष्य के सहयोग की कोरी कल्पना से उन्हें आप संतुष्ट रहने की आज्ञा देकर विश्राम ले लेते हैं।

(घ) तो मैं ही क्या करूँ? सारे जतन करके हार गई। तुम्हीं ने उसे पढ़ा–लिखा कर इतना सिर चढ़ा रखा है। मेरी समझ में तो ये पढ़ाई-लिखाई के जंजाल आते नहीं। अपना जमाना अच्छा था। 'आ', 'ई' पढ़ ली, गिनती सीख ली और बहुत हुआ तो 'स्त्री-सुबोधनी' पढ़ ली। सच पूछो तो 'स्त्री-सुबोधनी' में ऐसी-ऐसी बातें लिखी हैं – ऐसी बातें कि क्या तुम्हारे बी.ए., एम.ए. की पढ़ाई में होगी। और आजकल के तो लच्छन ही अनोखे हैं।

(ङ) इन सब पर्चा आउट करवानेवालों और नम्बर बढ़वानेवालों पर हँसा भी नहीं जा सकता। इनमें अधिकांश दया के पात्र हैं। ये बेहद परेशान और घबड़ाये हुए लोग हैं कोई चाहता है कि लड़का पास हो जाये, तो उससे नौकरी करा दें, जिससे परिवार की दुर्दशा कुछ कम हो। किसी को चिन्ता है कि लड़का फेल हो गया, तो और एक साल उसकी पढ़ाई का खर्च कैसे चलाऊँगा। कोई चाहता है कि लड़की पास हो जाये, तो उसकी शादी करके बोझ हल्का करूँ। बहुत दुखी और परेशान लोग होते हैं, इनमें कुछ इतने दीन होते हैं कि जी होता है, पहले इनके लगे लगकर रो लिया जाये।

2. निम्नलिखित में से किन्हीं चार प्रश्नों के उत्तर दीजिएः 15X4=60

(क) हिंदी गद्य के विकास का विस्तृत विवेचन कीजिए।

(ख) 'उसने कहा था' कहानी की कथावस्तु का मूल्यांकन कीजिए।

(ग) 'ठेस' कहानी के संरचना-शिल्प पर प्रकाश डालिए।

(घ) साहित्यिक लेखन और मीडिया लेखन में अंतर पर विचार कीजिए।

(ङ) नाटक भारतेन्दु युग की केन्द्रीय विधा है, विश्लेषण कीजिए।

(च) 'नाखून क्यों बढ़ते हैं' निबंध की अंतर्वस्तु समझाइए।

3. निम्नलिखित में से किन्हीं दो पर टिप्पणियां लिखिएः 5X2=10

(क) गजाधर बाबू

(ख) निर्मला उपन्यास की कथावस्तु की विशेषताएँ

(ग) आत्मकथा और जीवनी

(घ) 'सबसे सस्ता गोश्त' नुक्कड़ नाटक का परिवेश

(ङ) यात्रा-वृत्तांत का रचनागत वैशिष्ट्य

(च) 'घीसा' रेखाचित्र का प्रतिपाद्य